हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 28 जून 2024

11 सड़क निर्माण में गड़बड़ी को लेकर लोगो ने काम को बीच में रुकवाया

11 नए कानूनों को लेकर अपडेट रहे पुलिस कर्मचारीः एसपी

खबर संक्षेप

खाराखेड़ी से एक युवती लापता, शिकायत दर्ज

फतेहाबाद। गांव खाराखेड़ी से एक युवती के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव खाराखेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसका 18 साल की लड़की रात करीब 11 बजे बिना बताए घर से चली गई है। सुबह जब वह उठे तो उन्होंने देखा कि उसकी लड़की घर से गायब थी। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला। उसने आरोप लगाया कि सुशील उर्फ भुरिया व चार अन्य लड़के उसकी लड़की को बहला-फुसला कर अपने साथ ले गए हैं। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। दूसरे मामले में भूना पुलिस ने वार्ड नं. 7 भूना निवासी रीना की शिकायत पर उसके पति शमशेर सिंह के लापता होने के बारे में केस दर्ज किया है।

टोहाना सब्जी मण्डी से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने टोहाना की नई सब्जी मण्डी से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में ढाणी गिलांवाली, टोहाना निवासी रोहताश ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से नई सब्जी मण्डी में गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को वहां दुकान के बाहर खड़ा किया और अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब थी। आसपास तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चल सका।

सीजन की पहली बरसात से लोगों को प्रचंड गर्मी से मिली निजात, किसानों के चेहरे खिले

प्री मानसून से रतिया, जाखल ने तोड़े रिकार्ड, फतेहाबाद सूखा

लगातार 4 घंटे हुई बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिलीजाखल में 34 एमएम और रतिया में 48 एमएम बरसात दर्ज की गई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद/जाखल/रतिया

जिला में वीरवार को सुबह ही प्री मानसून ने दस्तक दी तो जाखल, रतिया, भूना व टोहाना के गांवों में जमकर बारिश हुई। जाखल और रतिया में शहर की निचली कालोनियां जलमग्न हो गई। लगातार 4 घंटे हुई बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिली। जाखल में 34 एमएम और रतिया में 48 एमएम बरसात दर्ज की गई। फतेहाबाद में लोग बारिश का इंतजार करते रहे। सुबह आसमान में बादल छाये रहे लेकिन धूप निकलने से लोगों को निराशा का सामना करना पड़ा। फतेहाबाद में दिनभर तेज धूप से लोगों के पसीने छूटते नजर आए। जाखल में वीरवार को मौसम ने अचानक से करवट ली। इससे क्षेत्र में जमकर बदरा बरसे। पिछले कई दिनों से पड़ रहीं प्रचंड गर्मी से बेहाल लोग बेसब्री से बरसात का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में वीरवार को क्षेत्र में हुई बारिश ने जहां आमजन को भीषण गर्मी से खासी राहत पहुंचाई हैं। सुबह से ही आसमान में काले-काले बादल नजर आए। इसके बाद एकाएक मौसम ने करवट ली। इससे जाखल और आसपास क्षेत्र में बारिश शुरू हो गई और मौसम सुहाना हो गया। इससे गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए बारिश अमृत बनकर आई है। इसके साथ ही जाखल में यह बारिश राहत के साथ आफत भी लेकर आई है। यहां बारिश ने विकास के दावों की पोल खोल दी है। प्री मानसून की पहली बारिश से ही शहर की सड़कें जलमग्न हो गई। यहां तक कि शहर के निचले इलाकों में रह रहे लोगो के घरों में बरसाती पानी घुसने से 2-2 फुट तक पानी जमा हो गया। बरसात के कारण शहर के स्टेट बैंक रोड, मास्टर कालोनी, रुलदू कलोनी, पार्क रोड सहित कई इलाकों व गलियों में सीवर जाम होने से बरसात का पानी जमा हो गया। कई जगह बरसात का पानी घरों में घुस गया। विद्युत आपूर्ति बहाल होने के बाद हालांकि पानी की निकासी शुरू हुई और शहर में कुछ समय बाद पानी कम होना शुरू हुआ।

जाखल। घरों में घुसा बरसात का पानी, बरसात से जलमग्न हुई शहर की सड़कें।

धान की फसल के लिए संजीवनी साबित हुई बरसात

यह बारिश धान उत्पादक किसानों के लिए संजीवनी साबित हुई है। बरसात होने से अन्नदाताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। इससे किसानों की खुशी स्वभाविक भी है, क्योंकि धान की फसल को पानी की अधिक आवश्यकता होती है। किसानों का कहना है कि धान की फसल के लिए इन दिनों में बारिश होने की भी अत्यंत जरूरत होती है। इस बारिश से धान की फसल को फायदा पहुंचा है। अभी तक वर्षा के अभाव में किसानों को इन दिनों अपनी धान की फसल के लिए पानी की समस्या हो रही थी। ऐसे में इस बारिश से किसानों को काफी लाभ हुआ है। इस बरसात से किसानों की खेतों में अन्य फसलों को भी फायदा पहुंचेगा।

क्या कहते हैं कृषि अधिकारी

टोहाना कृषि विभाग के खंड अधिकारी मुकेश महला का कहना है कि इस बरसात से धान की फसल को फायदा हुआ है। इन दिनों जितनी बरसात हो, किसानों के लिए उतनी ज्यादा लाभदायक हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी जगह धान फसल में पत्ता लपेट जैसी बीमारी का कोई प्रकोप भी हैं तो इस बारिश से वह भी दूर हो जाएगा। इस बरसात की धान की फसल को अधिक आवश्यकता थी।

रतिया। बरसात में मस्ती करते बच्चे।

फतेहाबाद जिले में हुई बरसात

जाखल	34 एमएम
रतिया	48 एमएम
कुलां	5 एमएम
टोहाना	1 एमएम
फतेहाबाद	0 एमएम
भट्टूकलां	0 एमएम

शराबी बेटे ने मां के सिर में डंडा मार कर की हत्या, फरार

ऐलनाबाद। उपमंडल के गांव भूरटवाला में बेटे ने मां के सिर पर डंडा मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर ऐलनाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल में पहुंचया। पुलिस ने आरोपी बेटे जसवंत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ शराब की लत के कारण शर्मसार हुआ मां-बेटे का रिश्ता

जानकारी के अनुसार गांव भूरटवाला निवासी 62 वर्षीय नैना देवी के पति बीरबल की 10 साल पहले मौत हो चुकी है। उसका पुत्र जसवंत शराब पीने का आदी है। जसवंत के शराब पीने की लत से उसकी पत्नी भी उसे कुछ समय पहले छोड़क र चली गई थी। बीती बुधवार रात को जसवंत शराब पीक र घर आया तो नैना देवी उसे डांटने लगी। जिससे मां-बेटे के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद गुस्से में आकर जसवंत ने अपनी मां नैना देवी के सिर पर डंडा मारा, जिससे वह गंभीर रू प से घायल हो गई। शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीण घायल नैना देवी को इलाज के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल में लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान रात को ही उसकी मौत हो गई। जसवंत अपनी मां के सिर पर डंडा मारने के बाद मौके से फ रार हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर ऐलनाबाद पुलिस की एक टीम गांव भूरटवाला व दूसरी टीम सिरसा नागरिक अस्पताल में पहुंची। मृतका के रिश्तेदार अस्पताल में पहुंचे तो पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए।

निकासी नाले की सफाई न होने पर वार्ड 1 की गलियों में कई-कई फुट भरा बरसाती पानी

■ सीजन की पहली बरसात में ही लबालब हुईं क्षेत्र की सड़के

■ गर्मी से राहत के साथ ही घरों में भरा नालों का पानी बना मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

शहर के बुढलाड़ा रोड पर बरसाती पानी की निकासी के लिए बने हुए बरसाती नाले की नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा सफाई न करने के कारण आज भारी बरसात के चलते रतिया के वार्ड नंबर 1 और वार्ड नंबर 2 में कई-कई फुट बरसाती पानी जमा हो गया। इस कारण वार्ड वासियों में नगर पालिका प्रशासन के प्रति भारी रोग पाया जाने लगा और वार्ड वासियों ने नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी भी की। वार्ड नंबर 1 के पार्षद प्रतिनिधि मिट्ठू सैनी ने बताया कि बरसाती पानी की निकासी के लिए जो निकासी नाला बना हुआ है, नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा बरसात से पूर्व इसकी सफाई नहीं करवाई गई और कुछ दुकानदारों ने नाले के नीचे मिट्टी डालकर नाले को बंद भी किया हुआ है। उन्होंने नगर पालिका को पहले भी कई बार बरसाती पानी के लिए बनाए गए नाले की निकासी के लिए मांग भी की थी लेकिन नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया।

आज जिस कारण वार्ड नंबर 1 और वार्ड नंबर 2 की गलियों में कई-कई फुट बरसाती पानी भर गया और कई नीचे बने मकान भी बरसाती पानी में डूब गए। वार्ड वासियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा बरसाती पानी निकासी के नाम पर हर बार लाखों रुपए के बिल दर्ज किए जाते हैं लेकिन मौके पर कोई काम नहीं किया जाता इसके कायार्ें की जांच करवरकर कड़ी कार्रवाई की जाए।

रतिया। वार्ड की गलियों में खड़ा हुआ बरसाती पानी।

कागदाना में युवक की डिग्गी में डूबने से मौत

सिरसा। जिला के गांव कागदाना में एक युवक की पानी की डिग्गी में गिरने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने डिग्गी में से युवक के शव को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार गांव कागदाना निवासी बलवान का 19 वर्षीय पुत्र महमूद बुधवार शाम को घर से बाहर निकला था। 9 बजे तक वह वापस नहीं लौटा तो घरवालों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। घरवाले उसे तलाश करते हुए पंचायती भूमि पर पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायती भूमि पर पानी की डिग्गी बनी हुई है। डिग्गी के पास महमूद की चप्पल पड़ी मिली। इसके बाद घरवालों को अनहोनी का अंदेशा हुआ। परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से पानी की डिग्गी में महमूद की तलाश की तो गहराई में उसका शव मिला। रात 11 बजे शव डिग्गी से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि महमूद का पैर फिसलने से यह घटना घटी है।

रतिया में पहली बरसात ने नगर पालिका के दावों की पोल खोली

रतिया। शहर में आज आई मौसम की पहली बरसात ने रतिया नगर पालिका के बरसाती पानी के निकासी नालों की पोल खोल कर रख दी। आज पहली बरसात के दौरान शहर के फतेहाबाद रोड और पुराना बस स्टैंड, सरदूलगढ़ चौक पर कई कई फुट पानी खड़ा हो गया और आने जाने वाले वाहनों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि जिला उपायुक्त ने 15 दिन पहले ही बैठक लेकर अधिकारियों को बरसाती पानी निकासी की लिए उचित इंतजाम करने की भी निर्देश दिए थे लेकिन शहर वासियों की माने तो नगर पालिका ने बरसात से पहले कोई इंतजाम नहीं किया जिस कारण बरसाती पानी खड़ा हो गया। शहर वासियों ने आरोप लगाते हुए बताया कि रतिया नगर पालिका द्वारा हर बार बरसात से पहले लापरवाही बरती जाती है जिस कारण सारे शहर में बरसाती पानी इकट्ठा हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आज जब मौसम की पहली बरसात आई तो फतेहाबाद रोड, पुराना बस स्टैंड पर कई कई फुट बरसाती पानी इकट्ठा हो गया। यहां पर नगरपालिका द्वारा रिचार्ज बोर भी लगाए गए हैं लेकिन कोई भी रिचार्ज बोर काम नहीं कर रहा। शहर वासियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका द्वारा मात्र कागजों में ही कार्य किया जाता है।

चैन स्नैचिंग गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सीआईए व शहर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बीती 30 मई तथा 21 जून 2024 को शहर सिरसा के ई-ब्लाक तथा नागरिक अस्पताल क्षेत्र में स्थित काली माता मंदिर के पास हुई चैन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीआईए सिरसा प्रभारी इंस्पेक्टर धर्मबीर सिंह ने बताया कि पकड़े गए दोनों युवकों की पहचान गुरतेज सिंह उर्फ तेजा पुत्र दामोदर राव निवासी वार्ड नंबर 4 कालांवाली तथा संदीप उर्फ दीपक पुत्र राजकुमार वार्ड नंबर 2 कालांवाली के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए सिरसा व शहर थाना सिरसा की जेजे कालोनी पुलिस चौकी की संयुक्त पुलिस टीमों ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों कि निशान देही पर छीनी गई दोनों सोने की चैन व वारदात में प्रयुक्त गाड़ी बरामद कर ली गई है। सीआईए प्रभारी ने बताया कि दोनो आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और पुछताछ के दौरान अन्य अपराधिक वारदातों के बारे मे खुल्लासा होने की सम्भावना से इंकार नही किया जा सकता।

सिरसा। पुलिस हिरासत में स्नैचिंग गिरोह के पकड़े गए सदस्य।

■ स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया

■ दोनों आरोपियों कि निशान देही पर छीनी गई दोनों सोने की चैन व वारदात में प्रयुक्त गाड़ी बरामद कर ली

विशेष : अंतरराष्ट्रीय क्षुद्र-ग्रह दिवस, 30 जून

बच्चों, तुमने एस्टेरॉयड्स यानी क्षुद्र-ग्रहों के बारे में सुना या पढ़ा होगा। ये ऐसे अनोखे खगोलीय पिंड होते हैं, जो हमेशा से खगोलविदों और खगोल-विज्ञान में रुचि रखने वालों के मन में जिज्ञासा और कौतुहल जगाते रहे हैं। जानों, इन रहस्यमयी क्षुद्र-ग्रहों के बारे में कुछ खास बातें।

ग्रह-उपग्रह से अलग क्षुद्र-ग्रह

नॉलेज / शिखर चंद जैन

बच्चों, क्षुद्र-ग्रह के नाम में भले ही ग्रह शब्द जुड़ा है, लेकिन वास्तव में ये ग्रह नहीं होते हैं, क्योंकि ग्रहों के लिए तय पैमाने पर ये खरे नहीं उतरते हैं। ये उपग्रह भी नहीं हैं, क्योंकि ये किसी ग्रह के चारों ओर चक्कर नहीं लगाते हैं। असल में क्षुद्र-ग्रह अंतरिक्ष की चट्टानों, धूल और मलबे के छोटे-बड़े टुकड़े होते हैं, जो अरबों वर्षों से इसी स्थिति में अंतरिक्ष में विचरण कर रहे हैं। बच्चों, अगर तुम सोचते हो कि सारे ग्रहों की तरह क्षुद्र-ग्रह भी गोलाकार, अंडाकार होते हैं, दिखने में बेहद खूबसूरत या चमकीले होते हैं या यह बहुत सिस्टमेटिक तरीके से सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं, तो हम तुम्हें जानकारी दे दें कि ज्यादातर क्षुद्र-ग्रहों का कोई निश्चित आकार नहीं होता। आमतौर पर ये किसी मिट्टी के धेले या आलू की तरह दिखते हैं। सूर्य की परिक्रमा करते हुए यह लुढ़कते और घूमते हैं, इनका व्यास कुछ फीट से लेकर कई सौ मीलों तक का हो सकता है। क्षुद्र-ग्रह वास्तव में ग्रह हैं ही नहीं, इसकी जानकारी वैज्ञानिकों को बहुत बाद में पता चली।

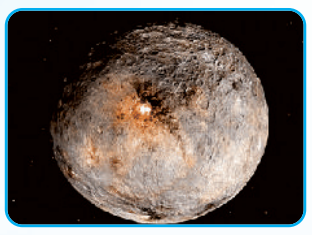
सबसे बड़ा क्षुद्र-ग्रह 'सेरेस'

सबसे पहला खोजा गया क्षुद्र-ग्रह

बच्चों, पहला क्षुद्र-ग्रह इटली के खगोल शास्त्री ग्युसेप पियाजी ने 1 जनवरी 1801 में खोजा था। इसका नाम उन्होंने रोम की कृषि देवी के नाम पर 'सेरेस' रखा। 19वीं सदी के मध्य तक इसे ग्रह ही माना जाता रहा, लेकिन बाद में इसकी वास्तविकता सामने आई, क्योंकि बड़ी दूरबीनों से भी ये पिंड तारों जैसे ही नजर आते थे। खगोल वैज्ञानिक विलियम हर्शेल ने इन्हें 'क्षुद्र-ग्रह' यानी 'एस्टेरॉयड' नाम दिया, जिसका अर्थ होता है- तारे के आकार का। इसे 'प्लेनेटॉयड' भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है- ग्रह जैसा। 2006 में अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ ने सेरेस को 'बौना ग्रह' यानी 'ड्वार्फ प्लेनेट' समूह में रखने का प्रस्ताव दिया था।

सबसे बड़े आकार वाले क्षुद्र-ग्रह

कुछ क्षुद्र-ग्रह आकार में इतने बड़े हैं कि उन्हें छोटा ग्रह मान लिया गया है। चार सबसे बड़े क्षुद्र-ग्रह हैं- सेरेस, वेस्टा, पलास और हाइजिया। इनके बारे में क्रमवार जानो-

सेरेस: यह अब तक खोजा गया सबसे बड़ा क्षुद्र-ग्रह है। इसे बौना ग्रह की श्रेणी में रखा गया है। इसका व्यास 597 मील है। इसमें क्षुद्र-ग्रह बेल्ट के कुल द्रव्यमान का एक तिहाई हिस्सा समाहित है।

वेस्टा: वेस्टा का व्यास 329 मील है। इसे एक छोटा ग्रह माना जाता है। वेस्टा आकार में छोटा है, लेकिन पलास से भारी है। पृथ्वी से यह सबसे चमकीला क्षुद्र-ग्रह नजर आता है। इसका नाम रोमन देवी 'वेस्टा' के नाम पर रखा गया है।

पलास: ग्रीक देवी 'पल्लास एथेना' के नाम पर इस क्षुद्र-ग्रह का नामकरण किया गया है। सेरेस के बाद इसकी ही खोज की गई थी। यह हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा खगोलीय पिंड है, जो आकार में गोल नहीं है।

हाइजिया: हाइजिया कार्बन सरफेस वाले क्षुद्र-ग्रहों में सबसे बड़ा है। इसका नाम ग्रीक स्वास्थ्य देवी के नाम पर रखा गया है। यह 220 मील चौड़ा और 310 मील लंबा है। इसकी आकृति लगभग गोल है।

क्षुद्र-ग्रह के प्रकार

रासायनिक संरचना के अनुसार क्षुद्र-ग्रहों को विभिन्न वर्गों में बांटा गया है। मुख्य रूप से ये तीन तरह के होते हैं- 1.कार्बन सतह वाले 2.सिलिकॉन सतह वाले और 3.धातु सतह वाले। ज्यादातर क्षुद्र-ग्रह कार्बन सतह वाले होते हैं। कुल क्षुद्र-ग्रहों में इनकी संख्या लगभग 75 फीसदी है, जबकि 17 फीसदी क्षुद्र-ग्रह सिलिकॉन सतह वाले होते हैं। बाकी 8 फीसदी में धातु सतह वाले या अन्य क्षुद्र-ग्रह शामिल हैं। *

क्षुद्र-ग्रहों का प्रमुख समूह ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह

क्षुद्र-ग्रह बेल्ट के बाहर क्षुद्र-ग्रहों के अन्य समूह भी हैं। इनमें एक प्रमुख समूह 'ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह' है। ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह किसी ग्रह या चंद्रमा के साथ एक कक्षा साझा करते हैं। अधिकांश ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह बृहस्पति के साथ सूर्य की परिक्रमा करते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि क्षुद्र-ग्रह बेल्ट में जितने क्षुद्र-ग्रह होते हैं, उतने ही ट्रोजन क्षुद्र-ग्रह भी हो सकते हैं।

प्रिपरेशन / अंजू जैन

खुल रहे हैं स्कूल रहना है रेडी-कूल

बच्चों, समर वेकेशंस के बाद स्कूल खुल रहे हैं। स्कूल जाने के लिए खुद को खूब अच्छे से कैसे प्रिपेयर करो, इस सेशन में तुम्हारी स्टडी कैसे बेहतर ढंग से हो कि तुम्हारा रिजल्ट बेस्ट रहे, जानो।

बच्चों, गर्मियों की लंबी छुट्टियां बीत गई हैं। स्कूल खुलने वाले हैं। कुछ बच्चे तो स्कूल जाने के लिए उत्साहित होंगे, लेकिन कुछ बच्चे यह सोचकर उदास होंगे कि अब उनकी मस्ती खत्म। लेकिन बच्चों स्कूल जाना जरूरी है, पढ़ाई से ही तुम्हारा करियर बनता है, उज्ज्वल भविष्य बनता है। तुम स्कूल हमेशा उत्साह-उमंग के साथ जाओ। इससे तुम्हें स्कूल जाने और पढ़ने में तो मजा आएगा ही, साथ ही तुम स्टडी में पहले से कहीं अच्छी तरह परफार्म करोगे।

कैलेंडर देखकर प्लान करो: बच्चों, तुमने सुना होगा कि 'टाइम इज मनी।' इसलिए समय को कभी बर्बाद मत होने दो। इसे अपनी पढ़ाई, मनोरंजन, खेलकूद और आराम के लिए इस्तेमाल करो। इसके लिए एक-एक दिन की प्लानिंग करना जरूरी है। हमेशा अपने सामने एक कैलेंडर रखो और आने वाले वीक में क्या-क्या नया करना है, कब और कैसे करना है, पढ़ने और खेलने का क्या समय होगा, इसकी पूरी प्लानिंग करो और इसे सही ढंग से अमल में भी लाओ।

ना छूटे रीडिंग की आदत: समर वेकेशन में जब तुम्हें मौका मिला तो तुमने तरह-तरह की बुक्स

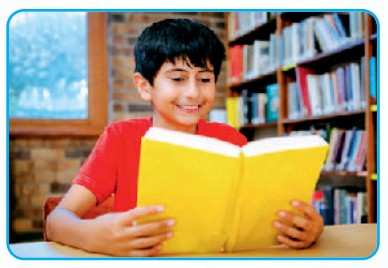

की रीडिंग की होगी। यह आदत बनाए रखो। रोजाना कोई अच्छी किताब, बाल पत्रिका या अखबार पढ़ो। इससे तुम्हें देश-दुनिया के नए समाचार मिलेंगे, नई तकनीक और आविष्कारों का भी पता चलेगा, सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, साथ ही पढ़ने में तुम्हारा इंटरेस्ट भी बना रहेगा।

हेल्दी डाइट लो: बच्चों, पढ़ाई में तुम्हारा दिमाग अच्छे से काम करे, तेज रहे, इसके लिए तुम्हारी बॉडी का फिट एंड एनर्जेटिक रहना बहुत जरूरी

है, इसलिए हमेशा हेल्दी डाइट लो। तुम्हें विटामिन-मिनरल युक्त, सुपाच्य और ताजा भोजन करना होगा। घर का ही बना ताजा भोजन, दालें, फल, सब्जियां और दूध-दही का नियमित सेवन करो। इससे तुम हमेशा स्वस्थ रहोगे और पढ़ने में भी मन लगेगा। *

खुलेंगे स्कूल तो आएगा मजा

स्कूल खुलने पर उदास होने के बजाय खुश होना चाहिए। क्योंकि लंबे समय बाद तुम्हें अपने क्लासमेट्स मिलेंगे, जिनके साथ तुम खूब मौज-मस्ती, खेलकूद और हंसी-मजाक करते थे। साथ ही वे टीचर्स भी मिलेंगे, जो तुम्हारी प्रॉब्लम्स को चुटकियों में सॉल्व कर देते हैं। बच्चों, याद रखो पढ़ाई-लिखाई एक बोझ नहीं, बल्कि तुम्हारे जीवन को सहज-सुगम, सफल और समृद्ध बनाने का माध्यम है। इसलिए अनमने ढंग से स्कूल जाने के बजाय हैप्पी, कूल और पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ स्कूल जाने की तैयारी शुरू कर दो। हमारी गुड विशेज ...

जीके क्विज-110

1. अठारहवीं लोकसभा के नए अध्यक्ष कौन बने है?
2. लगातार तीसरी बार किसे भारत का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया है?
3. पिछले दिनों किस देश ने अपनी पहली अंतरिक्ष एजेंसी KASA प्रारंभ की?
4. हाल ही में हैदराबाद किस राज्य की पूर्ण राजधानी बना है?
5. सापेक्षता का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) की खोज किसने की थी?
6. विश्व का सबसे घना जंगल कौन-सा है?
7. 'लावणी' किस राज्य का पारंपरिक नृत्य है?
8. भारत में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है?
9. पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह कौन-सा है?
10. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-110 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-109 का उत्तर : 1.उपेंद्र द्विवेदी, 2.पेमा खांडू, 3.महर्षि पतंजलि, 4.21 जून 2015, 5.जिमनास्टिक्स, 6.व्हांगहो, 7.किडनी, 8.फुटबॉल 9.स्कॉटलैंड 10.मैलिक अम्ल

जीके क्विज-109 का सही उत्तर देने वाले : मानवी मधुकर-बिलासपुर, नितिन-दुर्ग, कबीर-हिसार, आरती-ईमेल से, अत्रेयन-ईमेल से, अजय-धमतरी, लीना-ईमेल से, अंजलि-ईमेल से, शुभम-बिलासपुर, दीक्षा-रायपुर, सरबजीत-करनाल, क्षमानिधि-बेमेतरा, दिव्यम-रोहतक, केशव-भोपाल, आर्यन-रोहतक

हंसगुल्ले

टीचर : मैंने ब्लैक बोर्ड पर क्या लिखा है, पढ़कर बताओ।
रोहन : तरबूजा।
टीचर : ठीक से देखो, तजुरबा लिखा है।
रोहन : सर, गर्मी इतनी ज्यादा पड़ रही है कि तजुरबा भी तरबूजा दिखाई दे रहा है।
-आकाश, रोहतक

चिंटू : मम्मी, एडमिशन फॉर्म में आइडेंटिफिकेशन मार्क के कॉलम में क्या लिखूं?
मम्मी : 'हाथ में मोबाइल' लिख दो।
-अमन, रायपुर

पप्पू : पढ़ाई कैसी चल रही है?
गप्पू : समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाता हूं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाता हूं, चुल्लू भर नंबर आते हैं... उसी चुल्लू में डूबने का मन करता है।
-हितेन, भोपाल

कहानी

पवन कुमार वर्मा

मुर्गों को लगा कि अब वो जमाना गया, जब लोग उनकी बांग से सुबह जागते थे। मुर्गों ने एक आपात बैठक बुलाई कि क्या उन्हें अब सुबह-सुबह बांग देना चाहिए? युवा मुर्गों का मत था, बदले दौर को देखते हुए हमें बांग देना बंद कर देना चाहिए, लेकिन बूढ़े मुर्गे इस बात से सहमत नहीं थे, उन्होंने जो तर्क रखे, युवा मुर्गे आगे कुछ ना बोल सके। आखिर मुर्गों की इस बैठक में तय क्या हुआ?

मुर्गों की आपात बैठक

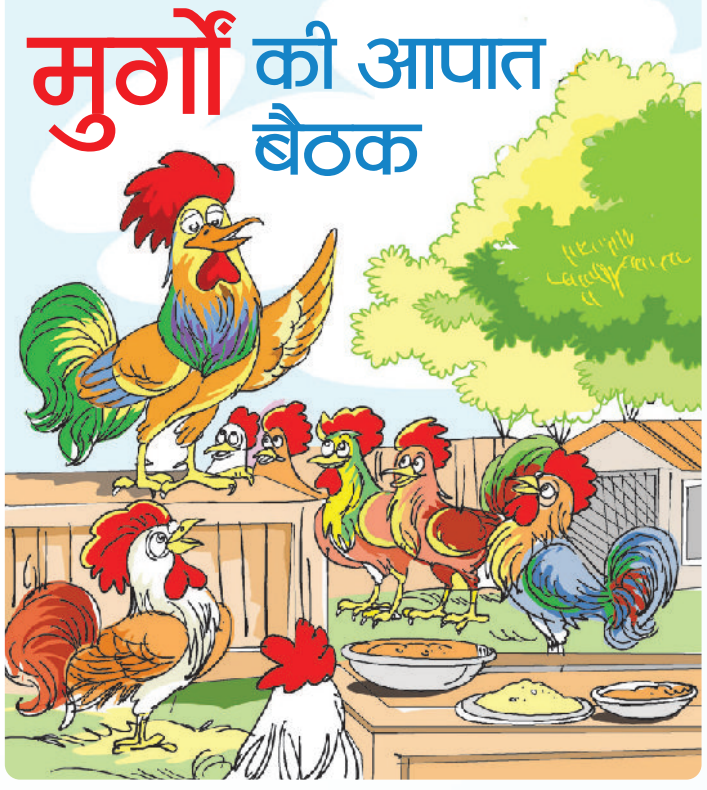

आज मुर्गों ने आपात बैठक बुलाई थी, जिसे लेकर पूरे मुर्गा समाज में गहमा-गहमी थी। दूर-दूर से मुर्गे इस आपात बैठक में भाग लेने आए थे। दरअसल, कुछ वर्षों से मुर्गे बहुत परेशान थे। लोगों को सुबह जल्दी जगाने के लिए उन्हें बांग देने की आदत है- कुकडू-कू... कुकडू-कू। लेकिन अब उनकी बांग का कोई असर ही नहीं होता। लोग जल्दी सोना और जल्दी जागना भूल गए हैं। मुर्गे की बांग से जागना लोगों के लिए अब बीते जमाने की बात हो गई है। ऐसे में मुर्गों को क्या करना चाहिए? यह बैठक इसी पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। बैठक में आए मुर्गे अपनी-अपनी जगह बैठ गए। कुछ मुर्गे तो केवल बढ़िया खाने की लालच में आए थे। वे इस प्रतीक्षा में थे कि बैठक जल्द समाप्त हो और वे खाने पर टूट पड़ें।

'भाइयों! अब आप बारी-बारी से अपनी बात रखना प्रारंभ करें।' इस घोषणा के साथ बैठक शुरू हो गई। सबसे पहले एक उत्साही नौजवान मुर्गे ने बड़े जोर-शोर से अपनी बात रखी, 'मुझे तो लगता है कि सुबह-सुबह हमारे बांग देने का कोई अर्थ नहीं रह गया है। रात-दिन का अंतर अब समाप्त हो चुका है। दुनिया बदल गई है। लोग चौबीस घंटे काम कर रहे हैं। जब सोकर उठने का समय होता है, तब लोग सोने जाते हैं। फिर क्यों हम उन्हें अनावश्यक परेशान करें?' 'मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। अब हमें भी बदलते वक्त और लोगों की सुविधानुसार खुद को बदलना चाहिए। इसी में समझदारी है भाई।' एक और नौजवान मुर्गे ने सभी को आगाह किया। तभी एक अधेड़ उम्र मुर्गे ने ऐसी बात कह दी कि पंडाल ठहाकों से गूंज उठा, 'भाई! कौन-सी बांग की बात कर रहे हैं आप? मैं जहां रहता हूं, वहां एक छात्रावास है, जिसमें पढ़ने वाले बच्चे रहते हैं। मैं सुबह बांग देने के लिए आंखें मलता जब बाहर आता हूं, तो हैरान रह जाता हूं। छात्रावास के बच्चे पहले से ही मैदान में कसरत और योग करते दिखाई देते हैं। हमसे पहले तो छात्रावास में लगी घंटी उन्हें जगा देती है। ऐसे में उन्हें हमारी बांग की क्या जरूरत?'

'लेकिन इसके बाद भी तो जल्दी उठने वालों की संख्या दिनों-दिन घट रही है। आखिर लोग सुबह जल्दी उठने का लाभ क्यों नहीं लेना चाहते? शायद इसी कारण लोगों का स्वास्थ्य समय से पहले गड़बड़ हो रहा है।' मंच पर बैठे एक मुर्गे ने उस अधेड़ उम्र मुर्गे की बात पर टिप्पणी की। 'भाई देखिए, चाहे कोई कुछ भी कहे, यह मामला बहुत गंभीर है। प्रकृति ने जो कार्य हमें सौंपा है, उसमें बाधा उत्पन्न हो रही है। अब हमें भी अपने लिए कोई और काम सोचना चाहिए। हम दिनों दिन अपनी पहचान खोते जा रहे हैं।' एक शांत स्वभाव वाले बूढ़े मुर्गे ने बड़ी विनम्रता से अपनी बात रखी। कुछ मुर्गों ने उसकी बात का भी समर्थन किया।

'अब आप लोग ही कोई सुझाव दीजिए। क्या हमें बांग देने का काम छोड़ देना चाहिए?' मंच पर बैठे एक मुर्गे ने पूछा।

'कतई नहीं। कम से कम मैं तो बांग देना नहीं छोडूंगा। यह कार्य हमारे पूर्वज करते आ रहे हैं। आज भी गांव-देहात में लोग हमारी बांग पर ही उठते हैं।' एक बूढ़ा मुर्गा कांपती आवाज में बोला। सभी की निगाहें उसकी ओर चली गईं। तभी एक और बूढ़ा मुर्गा लड़खड़ाती आवाज में बोला,'लोगों की सुविधा के लिए हमें अपने-आप को कतई नहीं बदलना चाहिए। वह भी तब, जब लोग जानबूझ कर अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। मेरा तो मानना है कि इस समय हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। हमें इसे और भी जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए।'

'मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूं। मुझे विश्वास है कि देर-सवेर लोग इस बात को जरूर समझेंगे। वे सुबह जल्दी उठेंगे। हमें हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। अपना कार्य जोर-शोर से करते रहना चाहिए।' एक और बूढ़े मुर्गे ने कड़कती आवाज में अपनी बात रखी। उसकी बात समाप्त होते ही चारों ओर सन्नाटा छा गया। सभी एक-दूसरे की ओर देखने लगे। युवा मुर्गे भी खामोश रहे। उन बूढ़े मुर्गों की बात सुनकर सभी का टूटा विश्वास फिर से लौट आया था। धीरे-धीरे सभी बूढ़े मुर्गों की बातों पर सहमत हो गए। अंत में यह तय किया गया कि वे सुबह बांग देना बिल्कुल नहीं छोड़ेंगे। कभी न कभी तो वह दिन आएगा, जब लोग जल्दी सोने और जल्दी उठने के फायदे समझेंगे और इस आदत को अपनाएंगे। *

कविता

शिवचरण चौहान

टिटहरी का गीत

टिट टिटहरी टिट टिटहरी
टी टी टी टी बोले।
उड़े गगन में ऊंचे चिड़िया
पंख हवा में तोले।।
नहीं टिटहरी बैठा करती
कभी किसी भी पेड़ में।
बैठा करती टीले ऊपर
कभी खेत की मेड़ में।
नन्हे-नन्हे बच्चे इसके
लगते कितने भोले।।
पंख हवा में तोले।।
लाल चोंच है,पीठ सिलेटी
और पैर हैं पीले।
ताल किनारे रहती
फिर भी पैर न करती गीले।
अरी टिटहरी घर आ मेरे
बिस्तर में आ सो ले।।
पंख हवा में तोले।।

रंग भरो-153

रंग भरो-153 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

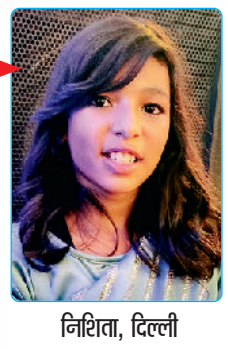
निशिता, दिल्ली

दिव्यांश, दुर्ग

दिव्या, बिलासपुर

डॉली, मटियारी

दीक्षा, रायपुर

अंकित, धमतरी

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आतिया-बहादुरगढ़, प्रगति-बिलासपुर, सौम्य-बालोद, युक्ति-धमतरी, दिशांत-महेंद्रगढ़, शुभम-बिलासपुर, लोकेश-रोहतक, कमल-महासमुंद, प्रिया-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, सौनक-धमतरी, कृश-बालोद

रंग भरो 154

बच्चों, इस चित्र में चिंटू अपने डॉगी को प्यार से खाना दे रहा है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

एक समान चित्र खोजो

बच्चों, यहां मंकी के कई सारे चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो चित्र बिल्कुल एक जैसे हैं। तुमको एक जैसे दिखने वाले दोनों चित्रों को खोजना है। जल्दी से खोजो जरा

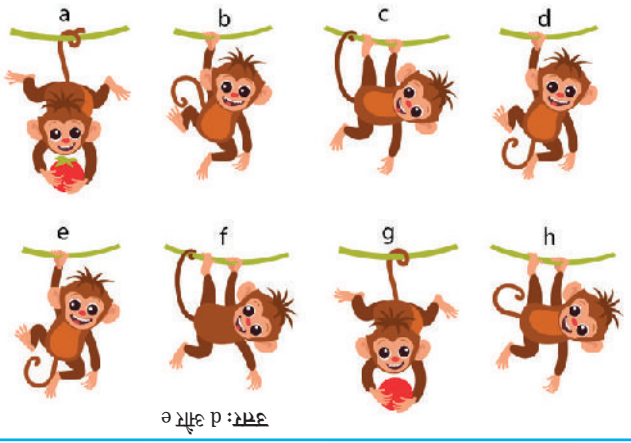

उत्तर: d और e

खबर संक्षेप

नरमा-कपास पर भी दामी दी जाएः मेहता

सिरसा। आढ़ती एसोसिएशन सिरसा की बैठक एसोसिएशन के कार्यालय में हुई जिसकी अध्यक्षता प्रधान मनोहर मेहता ने की। बैठक में एसोसिएशन के सदस्य व मंडी के अन्य आढ़ती शामिल हुए। बैठक में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रधान मनोहर मेहता ने एसोसिएशन द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

मांगों को लेकर कुलपति को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों ने प्रधान रणवीर बांगड़वा की अध्यक्षता में चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अजमेर सिंह मलिक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कुलपति को सौंपे ज्ञापन में प्रधान ने बताया कि सीडीएलयू में कार्यरत कर्मचारियों को अनुभव का लाभ यूएएन नंबर से दिया जाए, ताकि भविष्य में बनने वाली नियमित पॉलिसी में इसका लाभ मिल सके।

आप चलाएगी प्रदेश में जनसंवाद कार्यक्रम

सिरसा। आम आदमी पार्टी हरियाणा के कार्यकर्ता गांव-गांव में बदलाव जनसंवाद करके लोगों की राय लेगी और उनके मुद्दों को हल करने के उद्देश्य से सत्ता परिवर्तन करेगी। पार्टी के जिला अध्यक्ष हैप्पी रानियां ने यह जानकारी वीरवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा है कि हरियाणा की जनता ने एक बार सभी पार्टियों को मौका दिया, लेकिन उन्होंने हरियाणा के लोगों के लिए कुछ नहीं किया।

महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं की क्रियान्वित

फतेहाबाद। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक विकास हेतू महिलाओं को जागरूक करने व उनके लिए रोजगार के योग्य बनाने के उद्देश्य से योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा मातृशक्ति उधमिता योजना, व्यक्तिगत ऋण स्कीम, विधवाओं के लिए अनुदान राशि स्कीम, शिक्षा ऋण पर अनुदान राशि योजना चलाई जा रही है।

अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ भ्रष्टतंत्र मुर्दाबाद के लगाए नारे

सड़क निर्माण में गड़बड़ी को लेकर लोगों ने काम को बीच में रुकवाया

नेहरू पार्क से खैरी चौक तक 70 लाख की लागत से बन रही है इंटरलॉकिंग सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

नेहरू पार्क से खैरी चौक तक 70 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण सामग्री में भारी गड़बड़ी को लेकर वार्ड वासियों ने नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्ट तंत्र मुर्दाबाद के नारे लगाए और ठेकेदार के काम को बीच में रुकवा दिया।डॉक्टर कृष्ण सेठी, हरबंस लाल कंबोज, गर्व कंबोज, ज्ञानचंद भूटानी, राजेश कंबोज, हरबंस सिंह हंस, अमित भूटानी, दीपक कंबोज, पवन एलाबादी, राजेंद्र खट्टर,अमन कंबोज व अवी मोंगिया आदि ने बताया कि नेहरू पार्क से खैरी चौक तक तारकोल सड़क की जगह अब इंटरलॉक टाइल्स सड़क निर्माणाधीन है। लेकिन पुरानी सड़क के पत्थर में मिट्टी मिलाकर उन्हीं को इस्तेमाल कर लिया गया। जबकि नए पत्थर ठेकेदार ने अधिकारियों की सांठ-गांठ के चलते नहीं डाले। जिससे सीधे तौर पर लाखों रुपये की गड़बड़ी हो रही है। वार्ड वासियों ने कहा कि इस सड़क पर बड़े वाहनों का आवागमन बहुत ज्यादा है। इसलिए पूर्व में यह तारकोल की सड़क थी।लेकिन वर्तमान में नगर पालिका के अधिकारियों ने इंटरलॉक टाइल्स से बनाना शुरू कर दिया।आरोप है कि सड़क में 6 इंच पत्थर डाला जाना टेंडर में शामिल है, परंतु मौके पर नया एक इंच भी पत्थर नहीं डाला गया। इसलिए सड़क में पत्थर की मात्रा कम रहेगी तो गुणवत्ता भी कमजोर होगी। वार्ड वासियों का आरोप है कि अगर गुणवत्ता पूर्वक सड़क का निर्माण नहीं किया गया तो यह जल्दी ही नकारा बन जाएगी। जिसका दुष्परिणाम वार्ड वासी ही भुगतने पर बेबस होंगे। उन्होंने कहा कि उपरोक्त सड़क तारकोल की ही बनी चाहिए थी। अगर नगर पालिका के अधिकारियों ने इसे इंटरलॉक बनाने की मंजूरी दे दी तो पत्थर की मात्रा टेंडर के मुताबिक तो होनी चाहिए। वार्ड वासियों ने कहा कि जब तक सड़क पर निर्धारित पत्थर नहीं डाले जाएंगे, तब तक निर्माण शुरू नहीं होने देंगे।

भूना। सड़क में घटिया सामग्री को लेकर वार्ड वासी विरोध प्रदर्शन करके नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

40 फुट चौड़ी और आधा किलोमीटर लंबी बनेगी इंटरलॉकिंग सड़क

नगर पालिका ने नेहरू पार्क से खैरी चौक तक करीब 70 लाख रुपये की लागत से 40 फुट चौड़ी और आधा किलोमीटर लंबी सड़क बनाने का कार्य ठेकेदार ने शुरू किया। लेकिन शुरुआती ही दौर में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता के खिलाफ वार्ड वासियों ने विरोध शुरू कर दिया। लोगों का आरोप है कि इंटरलॉकिंग टाइल्स के नीचे पत्थर डालने की मात्रा काफी कम है और यह बनने से पहले टूट जाएगी। इसलिए ठेकेदार जब-जब काम शुरू करता है तो लोग इकट्ठे होकर इसका विरोध करके काम को बंद करवा रहे हैं। परंतु नगर पालिका के अधिकारियों के ठेकेदार के साथ मिलीभगत खुलकर सामने आ गई। क्योंकि जो ठेकेदार बात कह रहा है उसकी हां में हां मिला रहे हैं।

गुणवत्ता में खिलवाड़ नहीं होने देंगे

नगरपालिका के डीएमसी संजय बिश्नोई ने बताया कि नेहरू पार्क से खैरी चौक तक निर्माणाधीन सड़क में टेंडर के विपरीत सामग्री मौके पर मिली तो संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी और सड़क निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा वार्ड वासियों की उम्मीदों तथा टेंडर मुताबिक सड़क का निर्माण होगा। सड़क में डाले गए पत्थर की जांच की जाएगी।

सिरसा। वीडियो कांफ्रेस के जरिये थाना प्रभारियों की बैठक लेते एसपी।

नए कानूनों को लेकर अपडेट रहे पुलिस कर्मचारी: एसपी

- पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण पुलिस अफसरों संग ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने जिला के सभी थाना प्रभारियों व जांच अधिकारियों की बैठक लेकर तीन नए कानूनों बारे जानकारी देते हुए कहा कि आगामी एक जुलाई 2024 से देश भर में तीन नए कानून लागू हो रहे हैं इसलिए सभी पुलिस अधिकारी एक जुलाई से लागू होने वाले तीनों नए कानूनों को लेकर अपने आप को अपडेट रखें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भारतीय दंड संहिता, भारतीय दंड प्रक्त्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किया जा रहे है। उन्होंने बताया कि नए कानून किस प्रकार पुराने कानूनों से भिन्न है,इसको लेकर सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नए कानूनों के तहत कौन से कृत्य को अपराध की परिधि में शामिल किया है और पुलिस के अपराध अनुसंधान के दायरे को किस प्रकार वर्णित किया गया है,इस संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक विक्त्रांत भूषण ने बताया कि किस प्रकार नए कानूनों में आईटी व डिजिटल संसाधनों का प्रयोग कानून के रूप में मान्य बनाया गया है, इस संबंध में भी पुलिस कर्मियों को जागरुक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में भी नए कानूनों के तहत जो संशोधन किए गए हैं,उनको लेकर भी महिला पुलिस कर्मियों तथा अन्य पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

डीसी ने लगाया समाधान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीसी राहुल नरवाल ने नागरिकों की प्रॉपर्टी आईडी, स्वामित्व रजिस्ट्री, जमीन पैमाइश, पीपीपी, राशन कार्ड, बिजली, पानी व अन्य समस्याओं की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा सरकार द्वारा समाधान शिविर की शुरुआत की गई है। डीसी राहुल नरवाल ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का समाधान करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि जिला स्तर पर कोई भी शिकायत पेंडिंग न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि जो शिकायत निवारण करने योग्य हो उसका तुरंत प्रभाव से निवारण करवाएं। वीरवार को लगाये गये समाधान शिविर में कुल 62 शिकायतें आई, जिनमें से 39 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। शिविर में पुलिस विभाग की 4, क्रिड विभाग की 44 शिकायतों में से 26, समाज कल्याण विभाग की 5 में से 5, फूड सप्लाई विभाग की 6 शिकायतों में से 6 तथा जन स्वास्थ्य विभाग की 3 शिकायतों में से 2 शिकायतों का मौके पर निपटारा किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी, जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई, जिप सीईओ सुरेश कुमार, डीएसपी जयपाल सिंह, ईओ राजेंद्र सोनी, कष्ट निवारण समिति के सदस्य जगदीश राय शर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. लाजवंती गौरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फतेहाबाद। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते उपायुक्त राहुल नरवाल।

कुश्ती में फतेहाबाद की बेटी चीनू ने जीता रजत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय कुश्ती संघ द्वारा आयोजित एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप 2024 में फतेहाबाद जिले की धाकड़ बेटी राजबाला उर्फ चीनू पुत्र विजय गढ़वाल ने अपने प्रतिद्वंदियों को धूल चटाते हुए रजत पदक जीतकर प्रदेश, फतेहाबाद जिले के साथ-साथ अपने गांव भोड़ियखेड़ा का देशभर में नाम रोशन किया है। फतेहाबाद पहुंचने पर पदक विजेता चीनू गढ़वाल का वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल ज्याणी के नेतृत्व में खेल प्रेमियों व गांव के लोगों ने फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। फतेहाबाद बस स्टैण्ड से गाड़ियों के जत्थे के साथ पदक विजेता खिलाड़ी को उनके गांव भोड़ियाखेड़ा ले जाया गया जहां ग्रामीणों ने अपनी इस होनहार बेटी को पलकों पर बिठा लिया।

- फतेहाबाद पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

विजेता खिलाड़ी राजबाला उर्फ चीनू गढ़वाल को उसकी इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं स्वास्तिक एनजीओ के अध्यक्ष अनिल ज्याणी ने कहा कि राजबाला ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप के अंडर-17 आयुवर्ग में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन किया और अपने दांव-पेंच से प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को शिकस्त देते हुए रजत पदक पर कब्जा जताया। उन्होंने गांव के युवाओं खासकर बेटियों से चीनू से प्रेरणा लेते हुए शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। खासकर खेलों में भी हरियाणा की छोरियों ने अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम चमकाने का काम किया है। उन्होंने गांव के युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। इस अवसर पर समाजसेवी बंटी गढ़वाल, सरपंच अनिल गढ़वाल, अजय ढाका, संजय गोदारा, अनिल कोच, चैनिक नारंग, रितिक मांजू, सीआर वर्मा, अजय वर्मा, अशोक कुमार, पवन पूनियां, राधेश्याम सोनी, मनीराम बीघड़, जसबीर भट्टी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फतेहाबाद। एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ी राजबाला उर्फ चीनू का स्वागत करते समाजसेवी। फोटो : हरिभूमि

डबवाली में खराब हो रही है तिरंगा लाइटें, नगर परिषद नहीं दे रही ध्यान

डबवाली। डबवाली शहर में कुछ अर्सा पूर्व लगाई गई तिरंगा लाइट अब बेरंग हो गई है। दरअसल शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए नगर परिषद ने यह लाइट चौटाला रोड व जी टी रोड पर लगाई थी। लेकिन देखभाल के अभाव में अब यह लाइट खराब हो रही है। इस कारण से आधी अधूरी लाइट बेरंग दिखाई देती है। चौटाला रोड के दुकानदार पवन कुमार के मुताबिक जब यह लाइट लगाई गई थी तो कुछ दिन बाद ही कुछेक लाइट खराब होनी शुरू हो गई थी। इस बाबत नगर परिषद के अधिकारियों को बताया गया। समाचार पत्रों में भी समाचार प्रकाशित हुए। लेकिन नगर परिषद के अधिकारियों ने कोई गौर नहीं किया। धीरे-धीरे खराब लाइटों की संख्या बढ़ती गई। अब यह आलम है कि बड़ी तादाद में लाइट खराब हो चुकी है। पवन कुमार के मुताबिक लाइट ठीक करने का काम हो सकता है नगर परिषद ने ठेकेदार को दे रखा हो। लेकिन लाइट ठीक करने कोई नहीं आया। जगह-जगह से खराब होने की वजह से अब यह लाइट पहले की तरह सुंदर नहीं दिखाई देती। पवन कुमार व अन्य दुकानदारों की मांग है कि नगर परिषद इस और ध्यान दें। खराब लाइटों को ठीक करवाया जाए। इन लाइटों की सुंदरता फिर बहाल की जाए।

अमृत सरोवर योजना में हुआ 1800 करोड़ का घोटाला, सरपंच करेंगे विरोध : रणबीर

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद।

सरपंच एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रणबीर गिल ने आरोप लगाया है कि प्रदेश सरकार की अमृत सरोवर योजना में 1800 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। सरपंचों ने सरकार द्वारा गांवों में बनवाए गए अमृत सरोवरों का जिम्मा लेने से इनकार कर दिया है। साथ ही यह चेतावनी दी कि सरकार सरपंचों के सारे अधिकार वापस दें नहीं तो विधानसभा चुनाव में फिर भाजपा का विरोध किया जाएगा। वीरवार को फतेहाबाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रणबीर गिल ने कहा कि सरकार ने प्रदेशभर में 1800 करोड़ की लागत से सैकड़ों अमृत सरोवर सीधे ठेकेदारों से बनवा दिए। इन सरोवरों को सही तरीके से नहीं बनाया गया, न ही इनकी खुदाई करवाई गई। अब आगे मानसून आ रहा है तो सरकार इन सरोवरों को पंचायतों के अंडर करना चाहती है, क्योंकि यह तय है कि बरसाती पानी जमा होने पर यह ओवरफ्लो होकर ग्रामीणों को परेशान करेंगे। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए का घोटाला ठेकेदारों ने कर दिया और सरकार इसका ठीकरा अब सरपंचों पर फोड़ना चाहती है। सरपंच हरगिज इसे स्वीकार नहीं करेंगे और यदि सरकार ने सरपंचों के सारे मौलिक अधिकार वापस नहीं किए तो सरपंच फिर से विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ बिगुल बजाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक भी सरोवर ऐसा नहीं है, जो नियमानुसार कंपलीट हो, लेकिन सरकार ने सभी को कंपलीशन के सर्टिफिकेट ठेकेदारों को दे दिए हैं।

फतेहाबाद। पत्रकारों से बातचीत करते सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणबीर गिल।

रतिया। आम आदमी पार्टी छोड़ने की घोषणा करते दर्शन लाल हांसु।

आम आदमी पार्टी के जिला सचिव दर्शन लाल हांसु ने पार्टी छोड़ी

रतिया। आम आदमी पार्टी के जिला सचिव व रिटायर चीफ इंजीनियर दर्शन लाल हांसु ने वीरवार को आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है। अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दर्शन लाल हांसु ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ बैठक के बाद अन्य पार्टी में जाने का निर्णय करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य रतिया से विधानसभा का चुनाव लड़कर रतिया क्षेत्र की जनता की सेवा करना है। आम आदमी पार्टी छोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आम आदमी पार्टी के बारे में यह सोचा था कि यह आमजन की पार्टी है जिसमें रहकर वह जनता की सेवा कर सकते हैं लेकिन जिस सोच और उम्मीद के साथ वह आम आदमी पार्टी में गये थे पार्टी उस उम्मीद पर खरी नहीं उतरी। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के युवा जिला सचिव अमृतपाल सिंह एडवोकेट, ट्रेड विंग के जोनल सचिव बाबूलाल बाबल, जिला मीडिया प्रभारी दीपक भाम्भू, शेर सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ आयोजित किए जाएंगे दिव्यांग जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा एलिम्को के सहयोग से जिला के प्रत्येक खंड में दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ दिव्यांग जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में उन दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों की पहचान की जाएगी जिन्हें मोटोराइ'ड तिपहिया साइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, तिपहिया साइकिल, कृत्रिम अंग, बैसाखी, छड़ी आदि की आवश्यकता होगी तथा बाद में पुनः शिविर लगाकर इन कृत्रिम अंगों व सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष आर.के. सिंह ने बताया कि ये उपकरण केवल उन्हीं दिव्यांगों को निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे जिनकी मासिक आय 22 हजार 500 रुपये से कम होगी। उन्होंने बताया कि सिरसा खंड के दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ 10 जुलाई को रेडक्रॉस कार्यालय सामुदायिक केंद्र बरनाला रोड़ सिरसा, डबवाली के दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ 11 जुलाई को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी डबवाली, ऐलनाबाद खंड के दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ 12 जुलाई को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी ऐलनाबाद, रानियां खंड के दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ 13 जुलाई को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रानियां, औढ़ां खंड के दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ 14 जुलाई को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी औढ़ां, नाथूसरी चौपटा खंड के दिव्यांग व्यक्तियों की सहायतार्थ 15 जुलाई को कार्यालय खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नाथूसरी चौपटा में लगेगा शिविर।

फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

जिले में एक जुलाई को आधार मानकर बनाए जाएंगे वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारत निर्वाचन आयोग ने एक जुलाई, 2024 को 18 वर्ष आयु को आधार तिथि मानते हुए फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया है। 25 जुलाई से मतदाता पुनरीक्षण का काम शुरू होगा। इस विषय को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगराधीश कैप्टन परमेश सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आयोग की हिदायतानुसार मतदान केंद्रों का रेशनेलाइजेशन भी किया जाना है। यदि इस संबंध में राजनीतिक दलों को कोई आपत्ति अथवा सुझाव है तो एक सप्ताह में जिला निर्वाचन कार्यालय या निर्वाचन पंजीयन अधिकारी को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नगराधीश कैप्टर परमेश सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 25 जून, 2024 से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कार्य और मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान किया कि वे बीएलओ को सही जानकारी दें और उनका सहयोग करें। त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वह अपना निर्धारित फार्म भरकर बीएलओ को दे सकते हैं ताकि उनका नाम भी मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। अभियान के दौरान मतदाता सूची में दोहरे नामों को भी हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के कार्य को समयबद्ध पूरा करना सुनिश्चित करें। वहीं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया कि मतदान केंद्रों पर अपना एक-एक बीएलए नियुक्त करना सुनिश्चित करें।

फतेहाबाद। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रूपरेखा तैयार करते उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगराधीश कैप्टन परमेश सिंह। फोटो : हरिभूमि

शनिवार व रविवार को भी बनेंगे नए वोट

सीटीएम ने कहा कि 25 जुलाई को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन किया जाएगा तथा 25 जुलाई से 9 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज करवाई जा सकेंगी। आगामी 19 अगस्त तक दावें एवं आपत्तियों का निपटारा करने उपरांत 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष अभियान चलाकर 27 जुलाई शनिवार व 28 जुलाई रविवार तथा 3 अगस्त शनिवार व 4 अगस्त रविवार को पोलिंग स्टेशन पर नए वोट बनवाने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित बीएलओ पोलिंग स्टेशन पर नए वोट बनाने के लिए फार्म-6 भरवाने का कार्य करेंगे। इसके बाद 20 अगस्त को अंतिम मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में चुनाव नायब तहसीलदार राज कुमार सिहाग, भाजपा से इंद्रसेन बतरा, बीएसपी के जिला सचिव जिले सिंह वर्मा, जेजेपी के इन्द्र झाझड़ा, सतीश गढ़वाल, इनेलो के राजेश शर्मा एडवोकेट व आम आदमी पार्टी से जयविंद्र मिचु आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बंदरों ने चिकित्सक पर किया हमला

डबवाली। डबवाली में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। ताजा वाक्या में सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक डॉ. शैली बंदरों के हमले से घायल हुई हैं। एसएमओ डॉ. सुखवंत सिंह के मुताबिक डॉ. शैली जब अस्पताल से अपने क्वार्टर में जा रही थीं तभी बंदरों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में डॉक्टर शैली चोटिल हो गई। गौरतलब है कि बंदरों की वजह से अब तक अनेक लोग अस्पताल की राह देख चुके हैं। पालिका प्रशासन पैसे तो खर्च करता है लेकिन बंदर नहीं पकड़े जा रहे हैं।

सांसद सैलजा 29 को सिरसा में

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा 29 जून को सिरसा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा करेंगी। पीपीसी डेलीगेट्स राजेश चाडीवाल ने बताया कि सांसद दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक सिरसा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में कांग्रेसजनों से मुलाकात करेंगी।

तटबंधों को सरकार करे मजबूत : केडिया

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट नवीन केडिया ने सिरसा सहित बा? की चपेट में आते रहे अन्य जिलों में बा? रोकथाम के पुख्ता प्रबंध न किए जाने को लेकर सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्होंने घग्घर सहित अन्य बरसाती नदियों के तटबंधों को मजबूत करके बाढ़ प्रबंधों को दुरुस्त करवाने, सीवरेज, ड्रेनेज और जलनिकासी प्रबंधों को भी सुदृढ़ करवाने की मांग प्रदेश सरकार से की है। यहां जारी एक बयान में नवीन केडिया ने कहा कि मानसून को लेकर मौसम विभाग ने हरियाणा में ओरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत 29 जुलाई को

फतेहाबाद। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने बताया कि माननीय सवार्ेच्च न्यायालय में विशेष लोक अदालत का आयोजन 29 जुलाई से 3 अगस्त तक किया जा रहा है। नागरिक अपने माननीय सवार्ेच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों को इस विशेष लोक अदालत द्वारा समझौते के माध्यम से निपटाना चाहते हैं तो वे 28 जुलाई से पहले जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

तरविन्द, नवदीप व रीना ने बाजी मारी

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा घोषित स्नातक कक्षाओं के परिणाम मे अपना वर्चस्व कायम रखा है। महाविद्यालय के बीए तृतीय वर्ष के छात्र नवदीप ने महाविद्यालय में प्रथम, अक्षय कुमार ने द्वितीय और रीना रानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बीकॉम तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान तरविंद्र सिंह ने, द्वितीय स्थान यादबीर शर्मा ने और तृतीय स्थान मुकेश भुक्कल ने प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रेम मेहता ने इस सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की।

परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू

सिरसा। जिलाधीश आरके सिंह ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की सीनियर सेकेंडरी द्वारा सीनियर सेकेंडरी (शैक्षणिक) (री-अपियर) एवं सेकेंडरी (शैक्षणिक) फ्रेश/री-अपियर, सुधार परीक्षा के मद्देनजर अपराध प्रक्त्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा केंद्रों के समीप धारा-144 लागू करने के आदेश जारी किए हैं। ये परीक्षाएं 3 जुलाई से 11 जुलाई तक स्थानीय आर.एस.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिरसा, आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल काठ मंडी सिरसा, राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल मेला ग्राउंड सिरसा में आयोजित की जाएगी।

नशा तस्कर पिता-पुत्र पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गांव माधोसिंघाना में अवैध कब्जों पर चला पीला पंजा

करीब 100 गज में बनाई गई दुकान पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

पुलिस द्वारा जहां नशा तस्करों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है वहीं नशे के सौदागरों द्वारा अर्जित की गई काली कमाई तथा उनके द्वारा सरकारी जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों पर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से पीला पंजा चलाया जा रहा है। जिला पुलिस प्रशासन ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से गांव माधोसिंघाना निवासी नशा तस्कर मोनू उर्फ सोनू पुत्र लक्ष्मण सिंह व उसके पिता लक्ष्मण सिंह निवासी गांव माधोसिंघाना के द्वारा अवैध रूप से सरकारी जमीन कब्जा कर करीब 100 गज में बनाई गई दुकान पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि जिला पुलिस की और से नशा तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए जिला पुलिस द्वारा प्रशासन के सहयोग से यह कार्रवाई की गई है,और भविष्य में भी नशा तस्करों पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ा एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि नशा तस्कर गांव माधोसिंघाना निवासी मोनू उर्फ सोनू के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना सदर सिरसा,हिसार तथा राजस्थान के नोहर थाने सहित कुल तीन मामले दर्ज है। जबकि उसके पिता लक्ष्मण सिंह के खिलाफ थाना सदर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत एक अभियोग दर्ज है।

सिरसा। नशा तस्कर पिता-पुत्र द्वारा पंचायती जमीन पर किए कब्जे को जेसीबी मशीन की सहायता हटवाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

दिनेश कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई हुई

एसपी ने बताया कि सदर थाना प्रभारी जगदीश चंद्र,ड्यूटी मेजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार अमित सहू व पंचायत ऑफिसर दिनेश कुमार के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से इस कार्रवाई में मल्लेकां पुलिस चौकी तथा पुलिस लाइन सिरसा से काफी मात्रा में पुलिस के जवान तथा महिला पुलिस की टीमों को शामिल किया गया था। नशा तस्कर मोनू उर्फ सोनू व उसके पिता लक्ष्मण सिंह ने गांव माधोसिंघाना के बस स्टैंड पर सरकारी जमीन पर करीब 100 गज पंचायती जमीन पर अवैध कब्जा कर दुकान बना रखी थी, जिनको स्थानीय प्रशासन के सहयोग से जेबीसी मशीन से ध्वस्त कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि नशे का कारोबार करने वालों व उन्हे संरक्षण देने वालो के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि नशे की काली कमाई से सम्पति अर्जित करने वालों का ब्यौरा जुटाने के लिए जिला के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए है।

---

6 गांवों के सरपंचों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला की ग्राम पंचायत नशा मुक्त गांवों को अपना रोल मॉडल मानकर अपने-अपने गांवों को नशा मुक्त करवाकर एक नई मिसाल कायम करें तथा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जन आंदोलन में और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सभी ग्राम पंचायतें, सामाजिक संस्थाएं तथा यूथ क्लब अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके। यह बात पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने 6 गांवों के सरपंचों तथा सरपंच प्रतिनिधियों को सम्मानित करने के दौरान कही। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने नशा मुक्त घोषित किए गए 6 गांवों रामपुरा ढिल्लों के सरपंच रविल सिंवर,शाहपुरियां के सरपंच राजकुमार,रायपुर के सरपंच प्रतिनिधि मनोज कुमार ,गुसांईआना के सरपंच रघुबीर सिंह, गांव खेड़ी के सरपंच सुरेश कुमार तथा गांव जोड़किया के सरपंच प्रतिनिधि गणदेव को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ जोरदार अभियान चलाए हुए हैं, जिसके तहत नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है तथा आम जन तथा युवाओं को विभिन्न खेल गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूक भी किया।

सिरसा। नशा मुक्त गांवों के सरपंचों को सम्मानित करते एसपी विक्रांत भूषण।

डॉ. पीयूष शर्मा नेशनल आइकन अवार्ड से सम्मानित

सिरसा। दिल्ली में आयोजित नेशनल आइकन अवार्ड 2024 में सिरसा के डॉ. पीयूष शर्मा को सामाजिक कार्यकर्ता और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ के रूप में अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। भारत के संस्कृति मंत्रालय, वाणि'य और उद्योग मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. पीयूष शर्मा को उनके विशेषज्ञता क्षेत्र में यह सम्मान प्राप्त हुआ, जो सिरसा के लिए गर्व की बात है। बता दें कि डॉ. पीयूष शर्मा सिरसा के निवासी हैं और एक प्रमाणित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ हैं। यह सम्मान समारोह डॉ. शर्मा की उनके क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान और समर्पण के लिए एक महत्वपूर्ण पहचान है।

रेल मंत्री से इंटरसिटी ट्रेन के विस्तार की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

शहर की विभिन्न संस्थाओं आदर्श रेजिडेंशियल वेल्फेयर कमेटी, स्ट्रीट भाईचारा न्यू हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सिरसा, अंतर्राष्ट्रीय दर्शक श्रोता संघ सिरसा, हैलो सिरसा, सामुदायिक रेडियो श्रोता संघ सिरसा, ग्रीन मिशन सिरसा, अखिल भारतीय अरोड़ा एकता परिवार सिरसा, ओथ कमिश्नर एसोसिएशन सिरसा, टाईपिस्ट एसोसिएशन सिसा, सर्वधर्म एकता कमेटी सिरसा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को एक मांग पत्र भेजकर नवनिर्मित नई रेल लाइन हांसी-महम-रोहतक पर सिरसा से नई दिल्ली के लिए वाया हांसी-महम-रोहतक-नई दिल्ली तक नई इंटरसिटी चलाई जाने की मांग की है। जिला बार एसोसिएशन के प्रेस प्रवक्ता एडवोकेट मोहन लाल, डा. ललित चुघ व सचिव जसविंद्र सिंह सिधु, दीपक बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि हाल ही में हांसी, महम व रोहतक तक 72 किलोमीटर नई रेलवे लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। सिरसा वासियों की मांग है कि सिरसा से सुबह 4.30 बजे सिरसा से हिसार, हांसी, महम व रोहतक नई दिल्ली के बीच नई इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाए, जिसमें एक थर्ड एसी व एक एसी चेयर कार कोच की भी व्यवस्था करवाई जाए।

सुभाष खिचड़ बने भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला परिषद चैयरपर्सन प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता सुभाष खिचड़ को भारतीय जनता पार्टी के पंचायती राज प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति आदेश पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक हुक्म चंद यादव ने जारी किए हैं। भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक नियुक्त होने पर सुभाष खिचड़ ने पार्टी हाईकमान, मुख्यमंत्री नायब सैनी, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा, भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनियां, पंचायतीराज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक हुक्म चंद यादव और जिला अध्यक्ष बलदेव ग्रोहा का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि वो पंचायती राज को और मजबूत करने के अपने प्रयासों को और गति देने का प्रयास करेंगे। खिचड़ ने कहा कि पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक के नाते वो प्रयास करेंगे कि पंचायती राज व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों का आपसी तालमेल का सुदृढ़करण हो। इसके अलावा पंचायतों में आम जनमानस की भागीदारी बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया जाएगा। जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सुभाष खिचड़ ने कहा कि जिला परिषद की तरह पंचायतीराज प्रकोष्ठ के माध्यम से भी ग्रामीण जनजीवन के लिए आवश्यक विकास के लिए अधिकारियों के प्रयास और जिम्मेदारियां सुनिश्चित करवाई जाएंगी।

- पंचायती राज को मजबूत करने के लिए प्रयासों को गति देने की बात की

फतेहाबाद। सुभाष खिचड़।

ट्रक ने मारी बाइक सवार को टक्कर, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

हिसार रोड पर गांव दहमान के पास वीरवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रक-ट्राला ने सामने से आ रहे मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के कारण मोटरसाइकिल चालक सड़क पर गिरकर ट्रक-ट्राला के टायरों की चपेट में आ गया और दर्दनाक मौत हो गई। दहमान के लोगों ने एंबुलेंस की मदद से मोटरसाइकिल चालक को सीएचसी केंद्र भूना में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक मोटरसाइकिल चालक की पहचान दहमान गांव निवासी एवं वीएलडीए डॉक्टर कुलदीप मुवाल के रूप में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर ट्रक-ट्राला व मोटरसाइकिल के एक्सीडेंट स्थल का जायजा किया। पुलिस ने मृतक के छोटे भाई प्रवीण कुमार की शिकायत पर ट्रक-ट्राला चालक तरसेम सिंह वासी बरेटा जिला मानसा के खिलाफ बड़ी गफलत लापरवाही एवं तेज रफ्तार चलाने के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में प्रवीण ने बताया कि वीरवार को अपने दोस्त के साथ दहमान से बैजलपुर रोड पर घूमने जा रहा था। इसी दौरान सामने से एक ट्रक-ट्राला चालक तेज रफ्तार से आ रहा था, जिसने सामने से वीएलडीए कुलदीप मुवाल के मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी।

भूना। टायर के नीचे गिरा मोटरसाइकिल, भूना। कुलदीप मुवाल का फाइल फोटो

बीमार पशु को देखने जा रहा था मृतक कुलदीप

दहमान निवासी 31 वर्षीय कुलदीप मुवाल राजकीय राजकीय पशु चिकित्सालय श्यामसुख में वीएलडीए पद पर कार्यरत था। वीरवार की सुबह वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर दहमान से बैजलपुर रोड पर एक खेतों की ढाणी में बीमार पशु को देखने जा रहा था। ढाणी में पहुंचने से पहले ही वह दुर्घटना का शिकार हो गया। कुलदीप मुवाल के पिता बलवान सिंह का देहांत होने के बात पूरे परिवार के पालन पोषण की जिम्मेदारी उसी के कंधे पर थी। सड़क दुर्घटना में मौत कुलदीप की मौत के बाद घर में विधवा मां राजबाला व अविवाहित छोटे भाई संजय कुमार के साथ-साथ पत्नी पूजा देवी तथा दो मासूम बच्चे 6 वर्षीय पयंक और 4 वर्षीय दक्ष का रो- रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

कांग्रेस का धन्यवाद सम्मेलन 12 जुलाई को

सिरसा। कांग्रेस में वीरवार को कांग्रेसियों की बैठक हुई जिसमें आगामी 12 जुलाई को होने वाले धन्यवाद सम्मेलन को लेकर चर्चा की गई। यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह ने बताया कि 12 जुलाई को हिसार रोड स्थित पर्ल रिसोर्ट में कार्यकर्ता धन्यवाद सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, सहित सांसद व धायक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों बारे चर्चा की जाएगी। इस मौके पर पूर्व सांसद डा. सुशील इंदौरा, पूर्व विधायक भरत सिंह बैनीवाल, प्रदेश प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा, मलकीत सिंह खोसा आदि मौजूद रहे।

विधानसभा चुनावों के समय भाजपा को आई ओबीसी की याद : मुकेश प्रजापति

- दीपेंद्र हुड्डा ने नराज्यसभा में क्रीमीलेयर को बढ़ाने की आवाज उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के शहरी अध्यक्ष मुकेश प्रजापति ने बीजेपी को पिछड़ा वर्ग विरोधी करार देते हुए कहा कि लोकसभा के बाद विधानसभा चुनावों में संभावित हार को देखते हुए 10 सालों बाद भाजपा को ओबीसी समाज की याद आई है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि ओबीसी क्रीमीलेयर की सीमा घटाकर 6 लाख किसके दबाव में की और बीजेपी सरकार ने कृषि और वेतन आय को क्रीमीलेयर को क्यों जोड़ दिया था। कांग्रेस नेता मुकेश प्रजापति ने बताया कि सीएम हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने मई 2013 में क्रीमीलेयर की आय की सीमा को निर्धारित करते हुए, इसमें कृषि व वेतन की आय को अलग करने का कार्य किया था। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भी राज्यसभा में क्रीमीलेयर को बढ़ाने की बार-बार आवाज उठाई। क्रीमीलेयर को बढ़ाने और बैकलॉग को भरने हेतु कांग्रेस समय-समय पर भाजपा सरकार के सामने मांग उठाती रही है परंतु दुर्भाग्य की बात है कि इस तानाशाह सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। कांग्रेस नेता मुकेश प्रजापति ने कहा कि बीजेपी सरकार लगातार ओबीसी व अनुसूचित जातियों के हितों पर कुठाराघात करती रही है। इन सालों में ओबीसी युवाओं को बेरोजगारी की दल दल में धकेलने का काम किया। भाजपा सरकार ने क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेशनुसार भी कार्य नहीं किया। सरकार क्रीमीलेयर की सीमा को न घटाती तो आज हरियाणा प्रदेश के ओबीसी युवा एमबीबीएस, नॉन टेक्निकल, इंजीनियरिंग आदि कोर्सों में दाखिले ले चुके होते। मुकेश प्रजापति ने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि ओबीसी व अनुसूचित जाति के युवा आगे बढ़े। कांग्रेस नेता ने कहा कि 3 महीने बाद विधानसभा चुनाव में आने वाले है और बीजेपी सरकार ने ओबीसी की याद आई है ।

- कांग्रेस सरकार ने मई 2013 में क्रीमीलेयर की आय की सीमा को निर्धारित किया

फतेहाबाद। मुकेश प्रजापति।

सीडीएलयू में नेक अपडेशन व डाटा कलेक्शन को लेकर बैठक आयोजित

सिरसा। बैठक को संबोधित करते वीसी प्रो. अजमेर सिंह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी सेल द्वारा नेक अपडेशन तथा डाटा कलेक्शन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक विश्वविद्यालय के सभी विभागों के चेयरपर्सन तथा ब्रांच हेड्स के साथ टैगोर एक्सटेंशन थिएटर में वीरवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजमेर सिंह मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बाइनरी एक्रीडिटेशन फॉर यूनिवर्सिटी के तहत जानकारी प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों के चेयरपर्सन तथा ब्रांच हेड्स के साथ आयोजित हुई इस बैठक में आगामी 30 जून 2024 तक बाइनरी एक्रीडिटेशन के तीन स्तर जो इनपुट, प्रोसेस व आउटकम है, उनके अंतर्गत जो जानकारी प्रदान करनी है उन पहलुओं की विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा संक्षिप्त चर्चा की गई। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि उन्हें इस प्रक्रिया के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा कि एक्रीडिटेशन के पहले 7 क्राइटेरिया होते थे जो अब 10 हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी हर स्तर पर बेहतर कर रही है। हम उत्साहित है कि इस पायलट सर्वे के द्वारा हमारे विश्वविद्यालय को एक अलग पहचान मिलने जा रही है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ राजेश कुमार बंसल, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर शैलेंद्र हुड्डा, डीन यूएसजीएस प्रोफेसर सुशील कुमार सहित विभिन्न विभागों के चेयरपर्सन तथा ब्रांच हेड्स उपस्थित रहे।

---

100 समस्याओं में से 46 परिवार पहचान पत्र से संबंधित

आमजन की सुविधा के लिए लगाया समाधान शिविर: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के निदान के लिए जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त आर.के. सिंह की अध्यक्षता में वीरवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर स्थित उपायुक्त कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण, अतिरिक्त उपायुक्त डा. विवेक भारती, नगर आयुक्त सुरेंद्र सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त आर.के. सिंह ने बताया कि वीरवार को समाधान शिविर में कुल 100 समस्याओं में से सबसे अधिक 46 समस्याएं परिवार पहचान पत्र से संबंधित, 14 समस्याएं जिला समाज कल्याण विभाग, 7 समस्याएं पुलिस विभाग, 3 समस्याएं जिला नगर आयुक्त, 4 समस्याएं सिविल सर्जन, 4 समस्याएं जनस्वास्थ्य विभाग से संबंधित थी, जिनके निवारण के लिए मौके पर ही संबंधित विभागों को दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का प्राथमिकता से समाधान करना जिला प्रशासन का मुख्य लक्ष्य है। सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए हर रोज प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

सिरसा। शिविर में जन समस्याएं सुनते उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक।

टोहाना में एसडीएम ने किया 5 शिकायतों का निपटान

टोहाना। एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने कहा कि वीरवार को समाधान शिविर में 5 शिकायतें समाज कल्याण विभाग से संबंधित लेकर पहुंचे नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके ही पर ही किया गया। परिवार पहचान पत्र से संबंधित 7 शिकायतें प्राप्त हुई जिन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जल्द निवारण किया जाएगा। विभाग, पुलिस विभाग, विकास एवं पंचायत, खाद्य आपूर्ति, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली व अन्य विभागों से कोई शिकायतें प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। समाधान शिविर में हर कोई अलग-अलग समस्या लेकर पहुंच रहे हैं, जिनका मौके पर ही समाधान हो रहा है। लघु सचिवालय के प्रथम तल पर कमरा नम्बर 22 में प्रत्येक कार्यदिवस प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविर लगाया जा रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530209, 9253681005